त्रिकाल दृष्टि

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

रजि. नं.- MPHIN - 31958

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-3, भोपाल, 1 से 15 दिसम्बर 2015 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टरों ने मां के पेट में पल रहे बच्चे के दिल का किया ऑपरेशन

कोच्चि। केरल में पहली बार डॉक्टरों की एक टीम ने 29 हफ्तों के भ्रूण के दिल का ऑपरेशन किया है। डॉक्टरों ने अजन्मे बच्चे (मां के पेट में पलता बच्चा) के दिल के निलय(चेंबर/वेंट्रिकल्स) के संकुचन को ठीक करने के लिए यह ऑपरेशन किया। इस प्रक्रिया को एऑर्टिक वल्वुलोप्लास्टी कहा जाता है। इसे अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टरों ने अंजाम दिया है। 29 सप्ताह का यह एऑर्टिक स्टिनोसिस से पीड़ित था। इसमें हृदय का महाधमनी वॉल्व काफी संकुचित हो जाता है। जिसके कारण बच्चे के वेंट्रिकल्स (निलय) में खून का प्रवाह सामान्य रूप से हो नहीं पाता है। इससे हृदयघात होने का खतरा होता है। इस ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों को उम्मीद है कि जन्म के वक्त बच्चे में रक्त प्रवाह सामान्य रहेगा।

सीरिया और यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा के लिए पुतिन से मिलेंगे केरी

अमेरिका के विदेश मंत्री जॉन केरी मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्जेई लाबरोव से सीरिया और यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जोश एर्नेस्ट ने कहा कि केरी सोमवार को पेरिस में सीरियाई संकट पर होने वाली बैठक में भी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री केरी की नजर शीर्ष एजेंडा संघर्ष विराम समझौते को लागू करने के लिए रूस की योजना पर भी लगी होगी। अर्नेसट ने कहा कि केरी पुतिन के साथ आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ जारी लड़ाई पर भी चर्चा करेंगे।

इंजीनियर से बने राजनेता, बदल दी राजनीति की परिभाषा

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल एक भारतीय राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। आईआईटी खडगपुर से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में पढाई करने के बाद वह टाटा स्टील में काम करने लगे और 1992 में उनका चयन भारतीय राजस्व सेवा में हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद छोड़ सकते हैं अरविंद केजरीवाल 16 अगस्त 1968 को हरियाणा के हिसार जिले के सिवानी गांव में जन्मे केजरीवाल नौकरी छोड़कर सामाजिक और राजनीतिक गतिविधयों में शामिल हो गए।

भारत-जापान के बीच हुआ बुलेट ट्रेन एग्रीमेंट, सिविल न्यूक्लियर डील पर भी मुहर

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच शनिवार को बुलेट ट्रेन एग्रीमेंट हो गया। पीएम मोदी और जापान के पीएम शिंजो आबे ने सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट के मेमोरेंडम पर दस्तखत किए। दिल्ली में इन नेताओं की मीटिंग के बाद समझौतों का एलान हुआ। इससे पहले मोदी की तारीफ में आबे ने कहा कि मोदी तो भारत की पॉलिसीज भी बुलेट ट्रेन की स्पीड से लागू करते हैं।

मोदी ने क्या एलान किए?

- आबे से दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मीटिंग के बाद मोदी ने कहा-भारत में पहला बुलेट ट्रेन नेटवर्क शुरू होगा। मुंबई-अहमदाबाद के बीच पहला हाई स्पीड रेल रूट बनेगा।
- जापान 12 अरब डॉलर यानी करीब 75 हजार करोड़ रुपए का फंड मेक इन इंडिया को प्रमोट करने के लिए बनाएगा।
- दोनों देशों के बीच सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट पर रजामंदी बनना आपसी भरोसे को दर्शाता है।
- पहली बार जापान मारुति सुजुकी कारों को भारत से इम्पोर्ट करेगा।
- जापान के सिटीजंस को हम 1 मार्च 2016 से वीसा ऑन अराइवल फैसिलिटी देंगे।
- दोनों देशों के बीच डिफेंस इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी होगा।
- हम यूएन सिक्युरिटी काउंसिल में अपनी सही जगह के लिए जापान से मदद की उम्मीद करते हैं।
- दोनों देश समुद्री सुरक्षा के मामले में भी साथ रहेंगे।

आबे ने क्या एलान किए?

- हम मेक इन इंडिया के लिए मदद करेंगे।
- जापान वाराणसी में कन्वेंशन सेंटर बनाएगा।
- जापान 5 साल में 35 बिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट भारत में करेगा।

बिजनेस समिट में जापान के पीएम आबे ने क्या कहा?

- मोदी की पॉलिसीज हाई स्पीड ट्रेन की तरह सेफ, भरोसेमंद और कई लोगों को एक साथ लेकर जाने की ताकत रखती हैं।
- मजबूत भारत मेरे देश जापान के लिए अच्छा है और मजबूत जापान भारत के लिए अच्छा है।

क्या कहा मोदी ने ?

- भारत को सिर्फ हाईस्पीड ट्रेन ही नहीं, बल्कि हाई स्पीड ग्रोथ भी चाहिए।
- यह पहली बार है कि जापान भारत से कार इम्पोर्ट करेगा।

बुलेट ट्रेन पर भारत को जापान का स्पेशल ऑफर क्या?

- जापान भारत को 50 साल के लिए 90 हजार करोड़ रुपए का लोन देगा।
- इसका रेट ऑफ इंटरेस्ट केवल 0.5त्न होगा।
- दूसरे देशों को जापान इस तरह के लोन 1.5 फीसदी के रेट ऑफ इंटरेस्ट से केवल 25 साल के लिए ही देता है।

भारत के लिए खुश होने की वजह ये

- पीएमओ के एक अफसर का इस बारे में कहना है, रेट ऑफ इंटरेस्ट और लोन चुकाने का जो टाइम जापान ने भारत को दिया है, वह हमारे लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

असम में बोले राहुल गांधी, तरुण गोगोई होंगे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार

असम। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई 2016 में असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। राहुल राज्य के दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को असम पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेतृत्व और मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है और सिर्फ यही लोग असम में किसी राजनीतिक दल से गठबंधन के बारे में निर्णय लेंगे। राहुल ने राज्य की महिला उद्यमियों के एक समूह से भी मुलाकात की और अपने पार्टी के नेताओं को संबोधित किया। कांग्रेस उपाध्यक्ष गुवाहाटी से 90 किलोमीटर दूर बारपेट जिले के लिए रवाना होने वाले हैं, जहां वह सात किलोमीटर लंबी पदयात्रा करेंगे।

नूडल्स जांच से बढ़ सकती है बाबा रामदेव की मुसीबतें

बाबा रामदेव की मुसीबतें आने वाले दिनों में बढ़ सकती हैं क्योंकि खाद्य सुरक्षा अधिकारी जांच के लिए उनके आकाश योग प्रोड्क्टस सिदकल द्वारा उत्पादित आटा नूडल्स के नमूने ले गये हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी आकाश योग प्रोडक्टस से दो नमूने ले गये हैं। आकाश योग प्रोडक्ट्स आटा नूडल्स का उत्पादन करता है और इन उत्पादों की उत्तराखंड और देश के अन्य हिस्सों में आपूर्ति करता है। जोशी ने बताया कि इन नमूनों को जांच के लिए रूद्रपुर खाद्य प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। उन्होंने कहा,''जांच रिपोर्ट 14 दिन के भीतर मिलने की संभावना है। रिपोर्ट मिलने के बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे।'' देशभर में नेस्ले की मैगी पर प्रतिबंध लगने के बाद बाबा रामदेव ने अपना आटा नूडल्स लांच किया था। हालांकि मीडिया में बाबा रामदेव के नूडल्स के पैकेट में कीड़ा मिलने संबंधी रिपोर्ट भी आई थी।

सेल्फी लेते वक्त मौत: हादसे से दोनों दोस्त सदमे में

इंदौर। ट्रेन के साथ सेल्फी लेते वक्त जिस युवक की जान चली गई, उसके दोनों दोस्त सदमें में हैं। एक दोस्त हादसा देख मौके पर ही बेहोश हो गया था। दूसरे ने उसे थप्पड़ मारकर होश में लाया। फिर दोस्त जयेश की जान बचाने की कोशिश की।

दोनों ने उसे गाड़ी पर बैठाया और घर ले आए। परिजन जयेश को अस्पताल ले जा रहे थे इसी बीच उसने दम तोड़ दिया। दूसरे दिन बेटे की मौत की खबर मां-बहनों को दी। बड़ी बहन बेहोश हो गई। वह अस्पताल में भर्ती है। मांगलिया पुलिस के मुताबिक मंगल विहार कॉलोनी का जयेश सोलंकी सेल्फी लेते वक्त ट्रेन से टकराया और उसकी मौत हो गई। रविवार को मर्ग कायम कर एमवायएच में उसके शव का पोस्टमार्टम कराया। शव परिजन को सौंप दिया। जब शव घर पहुंचा तो मां मधु और बड़ी बहन अंजली व दामिनी रोने लगी।

पिता बेहाल हो गए। अंतिम यात्रा में जयेश का दोस्त अमित भी था। उसने बताया कि जयेश ट्रेन के साथ सेल्फी लेना चाहता था। ट्रेन आ रही थी। यह देख वह पटरी के पास चला गया। ट्रेन बेहद करीब थी। वह संभल पाता इससे पहले टकराकर गिर पड़ा।

जयेश को खून में लथपथ देख अजय बेहोश हो गया। जयेश की जान बचानी थी इसलिए अजय को थप्पड़ मारकर होश में लाया। इसके बाद जयेश को गाड़ी पर बीच में बैठाया और घर पहुंचाया। परिजन तत्काल उसे कार से इंदौर ले आए। इस बीच उसकी मौत हो गई।

बीमारी से परेशान युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने बीमारी से परेशान होकर फांसी लगा ली। फंदा काटकर परिजन उसे अस्पताल ले गए। रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। 1 दिसंबर को पीपल्या कुमार निवासी 27 वर्षीय नीलेश भारती ने फांसी लगा ली। नीलेश ने पत्नी के दुपट्टे का फंदा बनाया था। परिजन का कहना है कि नीलेश के एक पैर का ब्लड सर्कुलेशन रुक गया था, जिससे वह तकलीफ में था। उसका इलाज चल रहा था। दो दिन पहले ही डॉक्टर से उसका चेकअप कराया गया। डॉक्टर ने छह माह बाद ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। संभवत: इसी कारण वह तनाव में आ गया और उसने आत्महत्या कर ली। छह माह पहले ही हुआ था विवाह प्राथमिक जांच में पता चला कि नीलेश एक कंपनी में जॉब करता था। उसका छह माह पहले ही विवाह हुआ था। नीलेश ने फांसी लगाई तो महालक्ष्मी में रहने वाले भाई को सूचना मिली। वह तत्काल घर पहुंचा। उसने फंदे से उसे नीचे उतारा

सिंहस्थ मेला क्षेत्र में धूल उड़ने से रोकने के लिए केमिकल का छिड़काव नहीं

उज्जैन। सिंहस्थ 2016 में भीड़ नियंत्रण के लिए सरकार कितनी फिक्रमंद है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम तैयार करने के लिए 22 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। दूसरी ओर मेला क्षेत्र में धूल उड़ने से रोकने के लिए केमिकल छिड़काव करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है।

कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम जापान की सिस्को कंपनी द्वारा बनाया जाएगा। इस सिलसिले में कुछ समय पहले कंपनी की एक टीम शहर आई थी।

कंपनी ने मेला प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा कर इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। हाल ही में प्रदेश के मुख्य सचिव अंटोनी जेसी डिसा की अध्यक्षता में हुई साधिकार समिति की बैठक में कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम बनाने के लिए 22 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी गई है। इससे सिस्टम तैयार होने का रास्ता साफ हो गया है। देश में पहली बार इस तरह का सिस्टम भीड़ प्रबंधन के उद्देश्य से तैयार कराया जा रहा है।

फसलों के डर से प्रस्ताव खारिज मेला क्षेत्र की कच्ची सड़कों पर खास केमिकल का छिड़काव कर धूल के गुबार उड़ने से रोकने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया था। लेकिन सीएस ने इस प्रस्ताव को इसलिए खारिज कर दिया कि केमिकल छिड़कने से आसपास की

फसलों को नुकसान हो सकता है। हालांकि मेला क्षेत्र में फसलों की बुआई पर रोक लगाई गई है। बदले में किसानों को मुआवजा दिया गया है।

फरवरी से शुरू होगा 450 बेड का नया हॉस्पिटल

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगर रोड पर 450 बेड का नया हॉस्पिटल बनाया जा रहा है। इसे फरवरी में पूरी तरह से तैयार कर 15 फरवरी तक शुभारंभ कराने की डेडलाइन भी दी गई है। यह अस्पताल सिंहस्थ के दौरान उपयोगी तो होगा ही, सामान्य दिनों में भी आम लोगों के लिए यह सौगात होगा। बशर्ते, सिंहस्थ बाद इसका मेंटेनेंस ठीक से किया जाए और चिकित्सक उपलब्ध कराए जाएं। अन्यथा केवल भवन और संसाधन उपलब्ध कराने से ही चिकित्सकीय सुविधाएं नहीं मिल सकेंगी। विभाग को अन्य कार्यों के लिए 1.65 करोड़ रुपए भी मंजूर किए गए हैं।

स्वास्थ्य

एम्स के डॉक्टरों ने कहा

40 मरीजों की रोशनी हमेशा के लिए गई

इंदौर। बड़वानी के सरकारी शिविर में मोतियाबिंद का ऑपरेशन फेल होने के बाद अरबिंदो अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों को देखने ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) दिल्ली की टीम पहुंची। एम्स के नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम ने साफ कर दिया कि 40 मरीजों की आंखों की रोशनी अब नहीं आ सकती।

स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप, घटिया सॉल्यूशन पूरे प्रदेश में तो सप्लाई नहीं हुआ! चार मरीजों में रोशनी आने की उम्मीद है, जिन्हें दिल्ली भेजा जा सकता है। उधर बड़वानी से तीन और मरीजों को इंदौर भेजा गया। कुल मिलाकर अब 48 मरीजों का इलाज इंदौर में चल रहा है। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वेच्छानुदान से हर पीड़ित को 2 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है।

टारगेट के दबाव में 15 मिनट में दो सर्जरी कर देते हैं सर्जन

एम्स की टीम बड़वानी के मरीजों की हालत देखने के बाद स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्थाओं की परतें खोलती जा रही है। डॉक्टरों पर ऑपरेशन का टारगेट पूरा करने का इस कदर दबाव रहता है कि 15 मिनट में दो-दो मरीजों की सर्जरी हो जाती है। इस दौरान छोटी जगहों पर उपकरणों और ऑपरेशन थिएटर के स्टेरलाइजेशन में चूक होने की संभावना रहती है, क्योंकि इस समय डॉक्टर का ज्यादा ध्यान मरीजों की संख्या पर रहता है। डॉ। सुदर्शन खोखर ने बताया कि शिविर के दौरान सफाई को लेकर बहुत परेशानी आती है। सर्जन पर भी दबाव रहता है। इन्हीं सब परेशानियों के चलते एम्स ने शिविर का सिस्टम बंद कर दिया। अब सीधे मरीज की स्क्रीनिंग होने पर अस्पताल में ही उसकी सर्जरी कर दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों को सबसे ज्यादा दबाव मोतियाबिंद और परिवार नियोजन के ऑपरेशन का होता है। शिविर में डॉक्टर को ऑपरेशन करने होते हैं। किसी भी जिले में एक से ज्यादा विशेषज्ञ नहीं होते। इससे एक ही डॉक्टर पर टारगेट पूरा करने का दबाव होता है। मोतियाबिंद के ऑपरेशन में सफाई का बेहद ध्यान रखना होता है। बड़वानी की बात करें तो एक मरीज की सर्जरी में आठ से दस मिनट लगे, तब तक दूसरा मरीज तैयार बैठा था। तुरंत दूसरे का शुरू कर दिया गया। इससे आशंका बढ़ जाती है कि ओटी स्टाफ व डॉक्टरों को हाथ धोने, उपकरणों को स्टेरलाइज करने का समय मिला या नहीं?

रविवार को एम्स के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल कुमार, डॉ. सुदर्शन खोखर, डॉ. राघव, डॉ. टी. सिंधु सहित 6 डॉक्टरों की टीम दिल्ली से अरबिंदो अस्पताल पहुंची। टीम ने अस्पताल में भर्ती 45 मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। डॉक्टरों के मुताबिक- 40 मरीजों की आंख का नुकसान हो चुका है। इंफेक्शन काफी ज्यादा होने से कॉर्निया खराब हो गई है, जिसमें सुधार की गुंजाइश नहीं है। कॉर्निया प्रत्यारोपण ही एकमात्र रास्ता है। वहीं 4 से 5 मरीज की आंखें पचास प्रतिशत खराब हुई हैं, जो इलाज के बाद ठीक हो सकती हैं। उन्होंने मरीजों को एम्स आने के लिए कहा और वहां भी मुफ्त इलाज का आश्वासन दिया। साथ ही सरकारी अफसरों को भी आगाह किया कि अस्पतालों में लगातार दौरा कर वहां के स्टेरलाइजेशन की हालत देखें।

एम्स के डॉक्टर बोले- सर्जन नहीं, बल्कि व्यवस्था दोषी

एम्स के डॉक्टरों ने सरकारी व्यवस्था की ही पोल खोल दी। टीम के सीनियर डॉक्टर और ख्यात रेटिना विशेषज्ञ डॉ। अतुल कुमार ने कहा कि एक सर्जन की लापरवाही से ऐसे हालात पैदा नहीं हो सकते। आंखों में लिक्विड सॉल्यूशन डाला गया है, वह मानक स्तर का नहीं है। सभी मरीजों को एक जैसा इंफेक्शन हुआ है। सर्जरी के दौरान लगातार आंखें साफ करने के लिए लिक्विड फ्लूड सॉल्यूशन डालते हैं। संभवत: यह सॉल्यूशन ड्रग कंट्रोलर मानकों के अनुरूप नहीं होगा। आंख में कई तरह के ड्रॉप डाले जाते हैं, इसकी गुणवत्ता पर भी शंका है। विभाग ने सॉल्यूशन, ओटी, दवाई, उपकरण सभी के कल्चर (सैंपल) जांच के लिए भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद हकीकत पता लगेगी। उन्होंने आंख में डालने वाले लिक्विड सॉल्यूशन सहित सभी दवाइयों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करते हुए सलाह दी कि गांव-गांव भेजी जाने वाली दवाइयों की गुणवत्ता की जांच हो।

मध्यप्रदेश में बिजली मांग 10 हजार 479 मेगावाट पर पहुंची

भोपाल। मध्यप्रदेश में बिजली की मांग प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और प्रत्येक दिन बिजली मांग के नए रिकार्ड भी बन रहे हैं। प्रदेश में गत दिवस 10 दिसंबर, 2015 को बिजली की मांग 10 हजार 479 मेगावाट तक पहुंच गई। इस दिन प्रदेश में 21 करोड़ 57 लाख 68 हजार यूनिट बिजली की सप्लाई की गई, जो कि पिछले वर्ष इसी तिथि की तुलना में 152.97 लाख यूनिट अधिक है। पिछले वर्ष की इसी तिथि की तुलना में बिजली की मांग में 804 मेगावाट की बढ़ोत्तरी हुई है। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से बिजली की मांग 10 हजार मेगावाट से ऊपर दर्ज हो रही है। बिजली की मांग में सतत् वृद्धि के बाद भी प्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए 10 घंटे और घरेलू रौशनी के लिए निरंतर 24 घंटे बिजली की सप्लाई सफलता से हो रही है। मध्यप्रदेश में बिजली की मांग पिछले एक सप्ताह से 10 हजार मेगावाट से ऊपर दर्ज हो रही है। प्रदेश में 4 दिसंबर को बिजली की मांग 10 हजार 119 मेगावाट, 5 दिसंबर को 10 हजार 68 मेगावाट, 6 दिसंबर को 10 हजार 213 मेगावाट, 7 दिसंबर को 10 हजार 246 मेगावाट, 8 दिसंबर को 10 हजार 394 मेगावाट, 9 दिसंबर को 10 हजार 310 मेगावाट और 10 दिसंबर को 10 हजार 479 मेगावाट दर्ज हुई।

गणित से बच्चों का डर दूर करने हो रिसर्च

भोपाल। गणित से बच्चों का डर दूर करने के लिये रिसर्च होना चाहिए। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता ने यह बात मेनिट में इंटरनेशन सिम्पोजियम ऑन कम्प्यूटेशनल बॉयोलॉजी और कम्प्यूटेशनल एण्ड इंटीग्रेटिव सांइसेज में कही। श्री गुप्ता ने कहा कि विद्वतजन को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महशूस कर रहा हूँ। उन्होने कहा कि क्लासरूम में विद्यार्थी की उपस्थिति सुनिश्ति करने के लिये प्रोफेसर्स को कड़ी मेहनत करनी होगी। श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा पद्धति में गुणात्मक सुधार के लिये आपके सुझाव हमेशा आमंत्रित हैं।

मंत्री के साथ सेल्फी लेने के समाचार के संबंध में खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री कुंवर शाह का स्पष्टीकरण

भोपाल। खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री कुँवर विजय शाह ने मंत्री के साथ सेल्फी संबंधी प्रकाशित समाचार के संबंध में स्पष्टीकरण दिया है। कुँवर शाह ने स्पष्ट किया है कि उनके साथ सेल्फी लेने पर 10 रुपये देने की जो बात कही गई है, वह सिर्फ उनके विधानसभा क्षेत्र खण्डवा जिले के हरसूद पर लागू किये जाने का विचार है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र हरसूद में भी यह विचार सभी पर अनिवार्य नहीं होगा। यदि कोई सेल्फी लेने के 10 रुपये दे सकने की स्थिति में हो, वे ही यह राशि दे सकते हैं। जो व्यक्ति यह राशि नहीं दे सकते हैं उनको भी सेल्फी लेने की मनाही नहीं होगी। कुँवर विजय शाह ने कहा कि उनके साथ सेल्फी लेने पर स्वेच्छा से जो लोग 10 रुपये की राशि देंगे, वह उनके विधानसभा क्षेत्र में आगामी वर्ष अप्रैल माह में खोले जाने वाले आदिवासी वृद्धाश्रम में उपयोग की जायेगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि आदिवासी वृद्धाश्रम के लिए अन्य स्त्रोतों से भी राशि एकत्र की जा रही है। कुँवर शाह ने कहा कि उनके मन में यह विचार बहुत पहले से था। वे जनसहयोग की राशि से अपने विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी वृद्धाश्रम खोलना चाहते थे।

10 वर्ष में लगन और मेहनत से जनहित में किये अनेक कार्य

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले दस वर्ष में लगन और मेहनत से जन हित में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं और राज्य एवं लोगों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज नई दिल्ली में दस का दम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री चौहान ने अपने दस वर्ष के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि दस वर्ष पहले मध्यप्रदेश एक बीमारू एवं पिछड़ा राज्य माना जाता था। पहले बिजली, सड़क, पानी की समस्या से जूझ रहा मध्यप्रदेश आज विकास सूचकांक की कड़ी में देश में अग्रिम कतार में खड़ा है। श्री चौहान ने अपने मन की बात कहते हुए कहा कि इस विकास यात्रा में उनके मन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपेक्षाकृत विकास नहीं हो पाने की एक कसक जरूर रह गयी। जिसका मुख्य कारण प्रदेश में चिकित्सक और चिकित्सा विशेषज्ञों की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता नहीं होना है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश से बाहर कार्यरत और बसे चिकित्सकों से प्रदेश के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान भी किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वह इस कार्य को पूरा करेंगे। श्री चौहान ने बताया कि इस विकास यात्रा के दौरान उन्होंने सभी वर्गों से संवाद स्थापित किया और इसके लिये पंचायतें बुलवायीं। नीति निर्धारण के लिए संबंधितों से सुझाव लेकर उनको अमल में लाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई ठोस निर्णय लेकर व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन कर भ्रष्टाचारियों की सम्पत्ति राजसात करने का निर्णय भी लिया गया। श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश में दस वर्ष में अधोसंरचना विकास हो, कृषि उत्पादन और औद्योगीकरण के क्षेत्र में काफी निवेश हुआ है।

पर्यावरण | **मौसम आधारित फसल**

बीमा योजना का लाभ सब्जी उत्पादकों को भी मिलेगा

भोपाल। भोपाल जिले में रबी हेतु टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, पत्ता गोभी, प्याज, आलू, लहसुन, धनियां, हरी मटर तथा आम की फसल को फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित किया जा सकता है। रबी की उपरोक्त फसलों के लिये जोखिम अवधि 31 मार्च 2016 है। बीमा करने की अंतिम तिथि ऋणी और अऋणी कृषकों के लिये 31 दिसम्बर 2015 प्रीमियम जमा करने की अंतिम तिथि है। प्रीमियम राशि जमा करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2016 है । इस संबंध में उप संचालक आत्मा परियोजना और सहायक संचालक उद्यान से प्राप्त की जा सकती है।

उद्यानिकी की मौसम आधारित रबी फसल बीमा योजना सिर्फ अधिसूचित फसलों की ही हो सकेगी ।मौसम आधारित इस बीमा योजना के तहत प्रीमियम की 50 प्रतिशत राशि किसान तथा शेष 50 प्रतिशत राशि केन्द्र तथा राज्य सरकार जमा कराती है। इसके तहत रबी के दौरान लगने वाली अधिसूचित फसलो में मौसम के उतार-च ?ाव से फसल को किसी भी प्रकार की क्षति होने या उत्पादन पर प्रभाव प ?ने पर पीि ?त किसान को बीमा राशि का भुगतान कम्पनी द्वारा किया जाता है। मौसम आधारित बीमा होने के कारण किसानों को कम या अधिक वर्षा होने पर, ताप में उतार-च ?ाव पर भी बीमा की राशि का भुगतान निर्धारित अंश अनुसार होने से विशेष लाभ होता है।

जलवायु परिवर्तन की जानकारी देने हेतु 15 दिसम्बर से विज्ञान एक्सप्रेस प्रदेश में

भोपाल। जनसामान्य, अधिकारी एवं कर्मचारी तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को जलवायु परिवर्तन के संबंध में जानकारी देने हेतु 15 से 17 दिसम्बर 2015 तक शिवपुरी और 18 से 20 दिसम्बर तक खजुराहो के रेल्वे स्टेशन पर विज्ञान एक्सप्रेस ट्रेन पहुंचेगी। इस एक्सप्रेस ट्रेन में मुख्यत: जलवायु विज्ञान उसके सामाजिक, आर्थिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव और इसके समाधान में भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी होगी।

उल्लेखनीय है कि यह ट्रेन भारत के विभिन्न राज्यों से होकर मध्यप्रदेश के केवल दो स्थानों शिवपुरी रेल्वे स्टेशन पर 15 से 17 दिसम्बर 2015 तक एवं खजुराहो रेल्वे स्टेशन पर 18 एवं 20 दिसम्बर 2015 तक रूकेगी। म.प्र.शासन द्वारा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) में राज्य जलवायु परिवर्तन ज्ञान प्रबंधन केन्द्र की स्थापना की गई है, जो प्रदेश में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्य हेतु नोडल एजेंसी है।

सिंहस्थ के प्रचार-प्रसार के लिये निकला बाइकर्स दल पहुँचा नई दिल्ली

भोपाल। उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2016 के प्रचार-प्रसार के लिये भोपाल से 27 नवम्बर को निकला बाइकर्स दल अपने अगले पढ़ाव में नई दिल्ली पहुँच गया है। नई दिल्ली पहुँच कर दल द्वारा इंडिया गेट पर 22 अप्रैल से 21 मई 2016 के मध्य उज्जैन में आयोजित होने वाले आस्था के महाकुंभ सिंहस्थ महापर्व का प्रचार-प्रसार किया गया। बाइकर्स दल के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी और प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय से भेंट कर उन्हें सिंहस्थ की प्रचार सामग्री भेंट की। सम्पूर्ण देश में सिंहस्थ के प्रचार-प्रसार के लिये 27 नवम्बर को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन बाइकर्स को भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया था। इसके बाद यह दल देवास, उज्जैन, मंदसौर, नीमच, निंबाहेडा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, पुष्कर और जयपुर होते हुआ नई दिल्ली पहुँचा है। इस दौरान दल के सदस्यों ने इन शहरों के गणमान्य नागरिकों से भेंट कर उन्हें सिंहस्थ-2016 का आमंत्रण दिया। नई दिल्ली के बाद यह बाइकर्स नोएडा, चंडीगढ़, मेरठ, हरिद्वार, देहरादून, अंबाला, अटारी, गंगा नगर, जैसलमेर, माउंटआबू, अहमदाबाद, गोवा पणजी, जोग प्रपात, चेन्नई होते हुए रामेश्वरम् तक यह युवा बाइकर्स आगामी दो माह में लगभग 19 हजार किलोमीटर की यात्रा के दौरान सिंहस्थ के संदेश को प्रसारित करेंगे।

सम्पादकीय

अनुसूचित जनजाति समाज को शिक्षित बनाने का दृढ़-संकल्प

आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने की सरकार की कोशिशों ने उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर दिये हैं। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक सुविधाएँ और संसाधनों के विस्तार से सरकार ने बताया है कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग को शिक्षित बनाने के लिये दृढ़-संकल्पित है। आदिवासी क्षेत्रों में शैक्षिक स्तर को उत्कृष्ट बनाने के सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आने भी लगे हैं। आदिवासी विकासखंडों में संचालित शासकीय विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण कर विद्यार्थियों को विज्ञान तथा समसामयिक विषयों में अध्ययन के लिये बेहतर सुविधाएँ दी गई हैं। इसके लिये व्यवस्थित एवं उन्नत प्रयोगशालाओं और आधुनिक पुस्तकालयों की स्थापना एवं खेल-कूद की भी बेहतर सुविधाओं दी जा रही है।

वर्ष 2015 की जे.ई.ई. एडवांस परीक्षा में आदिवासी विभाग द्वारा संचालित शासकीय स्कूलों से 8 विद्यार्थी देश के विभिन्न आई.आई.टी. में प्रवेश पाने में सफल रहे हैं। जे.ई.ई. मेन्स में इन विद्यालयों से लगभग 135 विद्यार्थी सफल हुए हैं, जिनका प्रवेश पात्रता के आधार पर विभिन्न राष्ट्रीय तकनीकी संस्थानों में भी हो रहा है। इसी वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा क्लेट में भी 14 आदिवासी विद्यार्थी सफल होकर विभिन्न राष्ट्रीय विधि संस्थानों में प्रवेश हुए हैं। राज्य सरकार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश लेने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति के अलावा अन्य देय सभी शुल्कों की प्रतिपूर्ति भी करेगी। अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिये महाविद्यालय स्तर पर छात्रावास अलग तथा 9 से 12वीं तक के लिये अलग-अलग छात्रावास शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रावासी विद्यार्थियों को भी अब प्री-मेट्रिक की भाँति शिष्यवृत्ति दी जायेगी।

आदिवासी अंचलों में कम्प्यूटर ज्ञान को बढ़ावा देने के लिये प्रथम चरण में 246 आवासीय संस्थाओं में इंटरनेट की सुविधा के साथ कम्प्यूटर लेब की स्थापना की जा रही है। भविष्य में सभी छात्रावासों में इस योजना का विस्तार किया जायेगा।

आदिवासी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिये आवासीय समस्याओं का निराकरण करने आवास सहायता योजना शुरू की है। इससे लगभग 26 हजार महाविद्यालयीन आदिवासी विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। प्रतिवर्ष 20 कन्या शिक्षा परिसर भी शुरू किये जा रहे हैं। इन परिसरों की क्षमता दुगनी की जा रही हैं। प्रदेश में आदिवासी विकास स्कूलों में प्रतिवर्ष 40 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा 20 हाई स्कूल खोले जा रहे हैं। इसके अलावा 20 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त संकायों की स्थापना भी की जाती है। इस वर्ष 20 नवीन पोस्ट मेट्रिक छात्रावास, 20 प्री-मेट्रिक छात्रावास तथा 10 आश्रम शाला प्रारंभ की जायेगी। इसके साथ 40 कन्या शिक्षा परिसर के भवन के लिये 40 करोड़, पाँच क्रीड़ा परिसर के लिये 5 करोड़, 40 छात्रावास भवन के लिये 40 करोड़ तथा 40 आश्रम के भवन के निर्माण के लिये 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 19 जुलाई 2015 को अपने निवास पर अनूसूचित जाति, जनजाति के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिन्होंने आई.आई.टी. की प्रारंभिक और अंतिम परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर आई.आई.टी. और एन.आई.टी. में प्रवेश पा लिया है। क्लेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर देश के उच्च विधि संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। बारहवीं में अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों को 75 प्रतिशत अंक लाने पर लेपटाप भी देने की योजना है।

सम्मानित विद्यार्थियों को लेपटॉप के लिये 25 हजार की राशि का प्रमाण-पत्र, पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी अग्नि की उड़ान (विंग्स ऑफ फायर) भेंट की गई। दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक पाने वाले विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप साइंटिफिक केलकुलेटर और अँग्रेजी हिन्दी शब्द कोष भेंट किया गया।

निजी इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेजों और अन्य उच्च संस्थानों में आदिवासी विद्यार्थियों की पढ़ाई का पूरा खर्चा सरकार द्वारा उठाया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा छात्रावासों में ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये भी भोजन की व्यवस्था होगी। गाँवों से शहरों में महाविद्यालयीन पढ़ाई के लिये आने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्र गृह सहायता योजना में किराये पर कमरा लेकर पढ़ाई करने की सुविधा सरकार दे रही है। पढ़ाई के लिये वर्तमान में जो सुविधाएँ मिल रही हैं उनमें भी बढ़ोत्तरी की जायेगी। सभी आवासीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में वर्चुअल कक्षाएँ शुरू की जायेंगी।

प्रदेश सरकार कमजोर वर्गों के चेहरों पर मुस्कान और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ता देखना चाहती है। अनूसूचित जातियों-जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के किये गये प्रयासों में राज्य के कुल बजट का 21 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति के विकास पर खर्च किया जा रहा है।

उच्च शिक्षा क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम

मध्यप्रदेश के विकास में उच्च शिक्षा की अहम भूमिका है। उच्च शिक्षा ज्ञान और कौशल का ही विकास नहीं करता बल्कि शिक्षित व्यक्ति को आत्म-निर्भर भी बनाती है। मध्यप्रदेश युवाओं की सृजनशील क्षमताओं के सम्पूर्ण विकास तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये लगातार सफल प्रयास कर रहा है। इसी का परिणाम है कि उच्च शिक्षा का सकल पंजीयन अनुपात (जी.ई.आर.) वर्ष 2014-15 में बढ़कर 20.04 हो गया है। वर्ष 2013-14 में यह 19.07 प्रतिशत था। वाणिज्य विषय में विद्यार्थियों की रुचि अधिक होने की वजह से प्रत्येक संभाग में एक-एक महाविद्यालय को वाणिज्य विषय के लिये उत्कृष्ट संस्थान बनाने का निर्णय लिया गया है। उच्च शिक्षा में सुधार के लिये 2666 करोड़ की विश्व बेंक परियोजना स्वीकृत हो चुकी हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से 54 महाविद्यालय में वर्चुअल कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। व्याख्यान यू-ट्यूब पर भी डाले जा रहे हैं। वाई-फाई की सुविधा 122 महाविद्यालय में उपलब्ध करवायी गयी है। साथ ही 15 महाविद्यालय में ई-रिसोर्स सेंटर स्थापित किये गये।

विद्यार्थियों को घर के पास ही उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विगत 3 वर्ष में 18 नवीन शासकीय महाविद्यालय, 3 क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक कार्यालय और 63 नये संकाय स्वीकृत किये गये हैं। साथ ही 45 नवीन अशासकीय महाविद्यालय प्रारंभ करने की अनुमति दी गयी। तीन नये निजी विश्वविद्यालय स्थापित किये गये।

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ : विद्यार्थियों में पाठ्यक्रमों के अध्ययन के साथ ही उन्हें भारतीय संस्कृति और परम्परा की जानकारी देने के उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ का गठन किया गया। इसके माध्यम से पहला व्याख्यान दृष्टि बदलेगी तो सृष्टि बदलेगी पर हुआ। इसके बाद हर माह महाविद्यालयों में विभिन्न विषय पर व्याख्यान करवाये जा रहे हैं। इससे लगभग एक लाख 20 हजार विद्यार्थी लाभान्वित हुए। सभी शासकीय महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ स्थापित हो चुके हैं। सभी जिलों में युवा केन्द्र की स्थापना की गयी है। महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपलब्धता और माँग के अनुसार विषयों का युक्ति-युक्तकरण किया गया। भोपाल में ही लगभग 750 पद का युक्ति-युक्तकरण किया गया। यह प्रक्रिया सभी जिलों में की जायेगी। महाविद्यालयों में शैक्षणिक स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिये 1646 रिक्त पद की भर्ती के लिये मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को लिखा गया। विभिन्न विभाग में प्रतिनियुक्ति में पदस्थ 175 प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें महाविद्यालयों में पदस्थ किया गया है। साथ ही दूरस्थ अंचल के महाविद्यालयों में बड़े शहरों से सहायक प्राध्यापक स्थानांतरित किये गये, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन में सुविधा हो। नजदीकी महाविद्यालयों से प्राध्यापकों की कमी वाले महाविद्यालयों में प्राध्यापकों का डिप्लायमेंट भी किया गया। प्रत्येक विश्वविद्यालय में दो विभाग को उत्कृष्ट बनाया जा रहा है। महाविद्यालयों में शैक्षणिक स्टाफ की समय पर उपस्थिति करने के लिए बायोमेट्रिक मशीन लगवाई जा रही हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राध्यापक-सहायक प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये लक्ष्मण सिंह गौड पुरस्कार योजना में पुरस्कारों की संख्या 30 से बढ़ाकर 248 कर दी गयी है। इसमें 8 प्राचार्य, 40 शिक्षक एवं 200 विद्यार्थी को पुरस्कार दिये जाने का प्रावधान है। कौशल विकास कार्यक्रमों में 29 हजार 516 विद्यार्थी को प्रशिक्षित किया गया। विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक परिदृश्य से जोड़ने के लिये प्रत्येक संभाग में एक-एक महाविद्यालय का राढ़ीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों से साझेदारी के लिये चयन किया जा रहा है।

क्या है डिजिटल मार्केटिंग?

डिजिटल मार्केटिंग इंटरनेट, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिये की जाने वाली मार्केटिंग है। इसे ऑनलाइन मार्केटिंग भी कह सकते हैं। परंपरागत और डिजिटल मार्केटिंग के तौर-तरीके भले ही अलग हों लेकिन मकसद एक ही है- उत्पाद के प्रति ग्राहक में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता विकसित करना। डिजिटल मार्केटिंग में सोशल मीडिया, मोबाइल, ईमेल, सर्च इंजिन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) आदि को टूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

इंटरनेट यूजर्स को आकर्षित करने के लिए कंपनियां भी अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ा रही हैं। वेबसाइट पर विजिटर्स को ज्यादा से ज्यादा आकर्षित करने की कोशिश होती है। इसके लिए कंपनीज आए दिन नए-नए तरीके और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं। मोबाइल पर एसएमएस, नोटिफिकेशंस भेजकर ऑनलाइन ब्रांड को मजबूत करने की कोशिश हो रही है। इसके अलावा, मार्केट में पैठ बनाए रखने के लिए ब्लॉग्स पर कंटेंट राइटिंग, रिसर्च और वेब स्टैटिस्टिक्स रिपोर्टिंग जैसे तरीके भी अपनाए जा रहे हैं।

वर्क प्रोफाइल : आजकल किसी भी कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग स्पेशलिस्ट की बड़ी अहमियत होती है। ये डिजिटल मार्केटिंग टीम के अहम सदस्य होते हैं। डिजिटल मार्केटिंग मटेरियल को तैयार करने और उसे मेंटेन रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है। कंपनीज के लिए प्रोफेशनल्स वेब बैनर ऐड, ईमेल्स और वेबसाइट्स बनाकर उनकी ब्रांडिंग करते हैं। इंटरनेट और डिजिटल टेक्नोलॉजी के लिए मार्केटिंग कैंपेन तैयार करते हैं, जिसे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिये प्रचारित-प्रसारित किया जाता है। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की कम्युनिकेशन स्किल, इंटरनेट स्किल, ऑर्गेनाइजेशनल स्किल और पर्सनल वर्किंग एबिलिटी अच्छी होती है। साथ ही, इन्हें डायरेक्ट सेल्स और डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म्स की भी अच्छी जानकारी होती है।

अन्य जॉब प्रोफाइल्स : डिजिटल मार्केटिंग का दायरा बहुत बड़ा है। यहां आप इन पदों पर नौकरी पा सकते हैं: डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, वेब डिजाइनर, ऐप डेवलपर, कंटेट राइटर, सर्च इंजिन मार्केटर, इनबाउंड मार्केटिंग मैनेजर, एसईओ एग्जीक्यूटिव, कनवर्जन रेट ऑप्टिमाइजर आदि।

कोर्स तथा क्वॉलिफिकेशन : इस फील्ड में काम करने के लिए न्यूनतम योग्यता है ग्रेजुएशन। जो युवा मार्केटिंग, कम्युनिकेशन या फिर ग्राफिक डिजाइन में ग्रेजुएट हैं, वे डिजिटल मार्केटिंग में करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर ग्रेजुएट्स के लिए भी यह आकर्षक क्षेत्र है। आम तौर पर कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को टारगेट मार्केट आइडेंटिफिकेशन, एडवर्टाइजिंग स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग कैंपेन एनालिसिस, कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजी, टेक्नोलॉजी आदि की जानकारी दी जाती है ताकि प्रभावी तरीके से संदेश लोगों तक पहुंचाया जा सके। ग्राफिक डिजाइन कोर्स में प्रभावी मटेरियल की डिजाइनिंग के लिए क्रिएटिव और टेक्निकल बारीकियां बताई जाती हैं। कुछ संस्थान डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग, एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग जैसे ऑनलाइन और ऑफलाइन कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं।

पर्सनल स्किल: अगर आप डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो कुछ पर्सनल स्किल्स आवश्यक हैं। इस फील्ड में काम करने वालों में कम्युनिकेशन स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए, यानी आप लिखने और बोलने दोनों में तेज-तर्रार हों। टाइम मैनेजमेंट और एनालिटिकल स्किल भी जरूरी है। मगर इससे भी ज्यादा जरूरी है ऑनलाइन इंडस्ट्री की समझ। जॉब के अवसर : यहां वेब डिजाइनर, ऐप डिजाइनर और सोशल मीडिया मैनेजमेंट के जानकारों के लिए असीमित संभावनाएं है। ई-कॉमर्स उद्योग में बूम आने से छोटी-बड़ी सभी कंपनीज अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ाने के लिए खुद की डिजिटल मार्केटिंग टीम बना रही हैं। इसके अलावा, डिजिटल मार्केटिंग एजेंसीज और ई-कॉमर्स कंपनियों में भी ढेर सारे अवसर हैं। देशी-विदेशी ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स, सर्विस प्रोवाइडिंग कंपनीज, रिटेल कंपनीज आदि भी अनेक अवसर उपलब्ध करा रही हैं। **सैलरी पैकेज :** डिजिटल मार्केटिंग फील्ड में सैलरी भी शानदार है। फ्रेशर्स को शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह सैलरी मिल जाती है। महज कुछ साल के अनुभव वाले यहां 10 से 12 लाख रुपए का पैकेज पाते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग में 2018 तक होंगे 15 लाख से ज्यादा नए जॉब्स

मोबाइल और ईमेल पर अक्सर हम यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि फलां कंपनी या वेबसाइट का इनवाइट कैसे आ गया, जबकि हम तो उसे जानते तक नहीं! इसी तरह कुछ प्रोडक्ट्स के नोटिफिकेशन भी मिलते रहते हैं। दरअसल, यह सब डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी है। आजकल चूंकि ऑनलाइन साइट्स पर शॉपिंग करना लोगों को ज्यादा सुविधाजनक लगने लगा है, इसीलिए कंपनियां भी ऑनलाइन माध्यम को अधिक तरजीह दे रही हैं। वे विज्ञापन और प्रमोशन के लिए ईमेल, एसएमएस, वेबसाइट्स, फेसबुक, वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा ले रही हैं। कंपनियों को परंपरागत मार्केटिंग अब उतनी कारगर नहीं लगती, जितनी पहले हुआ करती थी।

आज इंटरनेट, मोबाइल, टैबलेट, कम्प्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगभग हर किसी की पहुंच में हैं। ऐसे में डिजिटल मार्केटिंग फील्ड युवाओं के लिए आकर्षक करियर ऑप्शन बनकर उभरा है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के ताजा आंकड़े के अनुसार, सन् 2018 तक इस फील्ड में देश में 15 से 20 लाख नए जॉब्स उपलब्ध होंगे। इससे इस फील्ड में सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट डेवलपमेंट, ऐप डेवलपमेंट, डेटा एनालिस्ट और सोशल मीडिया मार्केटिंग के जानकारों की मांग रहेगी।

ऑफिस में स्ट्रेस हो तो ये ट्राय करें

हमारा काम हमारी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा होता है। अगर आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ से स्ट्रेस्ड हो रहे हैं तो इन कुछ तरीकों से आप अपने स्ट्रेस लेवल को मैनेजे कर सकते हैं।

हेल्दी लाइफस्टाइल : आपको यह टिप भले ही पुरानी लगे लेकिन एक हेल्दी लाइफस्टाइल का इम्पैक्ट आपके काम पर जरूर पड़ता है। हेल्दी डाएट लें, रेग्युलर्ली वर्कआउट करें और अपनी बॉडी को प्रॉपर रेस्ट दें। इन सबसे आपका स्ट्रेस लेवल कम होगा।

एनालाइज करें : अपने आस-पास चीजों को देखें और एनालाइज करें जो आपको स्ट्रेस देती हैं। उन चीजों को देखकर रिसर्च करें कि कैसे आप उन्हें अवॉइड कर सकते हैं या अपना बिहेवियर उनके लिए चेंज कर सकते हैं। लड़ाई नहीं वर्कप्लेस में इस बात को एक्सेप्ट कर लें कि हर किसी की ओपिनियन आपसे मैच नहीं कर सकती है।

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2016 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

आवश्यकता है
राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने चौकलेट उत्पादों की मध्यप्रदेश में सेल्स नेटवर्क के विस्तार हेतु अनुभवी प्रतिनिधि की आवश्यकता है।
योग्यता 4 - 5 वर्ष का FMCG सेल्स का अनुभव अनिवार्य
उग्र 30 - 35 वर्ष
वेतन योग्यता अनुसार
Intrested Candidates can mail Resumes on
Email : bhopal2@yahoo.com

क्या इस ठंड से लड़ने के लिए तैयार है आपका दिल?

सर्दियां आने के साथ ही सेहत संबंधी कई समस्याएं सामने आने लगती हैं। फेफड़ों की परेशानी तो दिक्कत करती ही है, साथ ही दिल के मरीजों की संख्या की भी बढ़ जाती है। आलस्य की वजह से लोग अपने शरीर, खासतौर से अपने दिल को तंदुरुस्त रखने पर ध्यान नहीं देते जबकि सर्दियों में सबसे ज्यादा खतरा दिल को ही रहता है।

दिल्ली के हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट में कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. के.के. सेठी कहते हैं, ठंडे मौसम की वजह से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल में रक्त और ऑक्सीजन का संचार कम होने लगता है। इससे हाइपरटेंशन और दिल के रोगों वाले मरीजों में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. ठंडे मौसम में ब्लड प्लेट्लेट्स ज्यादा सक्रिय और चिपचिपे होते हैं, इसलिए रक्त के थक्के जमने की आशंका भी बढ़ जाती है।

डॉ. सेठी के मुताबिक, सर्दियों में सीने का दर्द और दिल के दौरे का जोखिम 50 फीसदी तक बढ़ जाता है। सर्दियों में धूप हल्की और कम निकलने के कारण मानव शरीर में विटामिन डी की कमी भी हो जाती है। ऐसे में इस्केमिक हार्ट डिजीज, कंजस्टिव हार्ट फेल्योर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

कुछ अन्य सलाह

- मौसम के हिसाब से जीवनशैली में बदलाव लाएं।
- ठंडे मौसम में कम थकान वाला व्यायाम करें।
- सैर, योग और एरोबिक्स करते हों, तो उसे जारी रखें।
- सुबह जल्दी और देर रात तक बाहर रहने से परहेज करें।
- सर्दियों में शराब और सिगरेट से दूर ही रहें तो अच्छा होगा

उनके अनुसार, सर्दियों में दिन छोटे हो जाते हैं और लोग भी ज्यादा समय घर के अंदर ही बिताते हैं, इसलिए विटामिन डी की कमी ज्यादा होती है. सर्दियों में उचित मात्रा में धूप सेंकना बेहद जरूरी है।

मेडीसिटी हॉस्पिटल के इलेक्ट्रोफिजीयोलॉजी एंड पेसिंग विभाग के चेयरमैन डॉ. बलबीर सिंह बताते है कि इस मौसम में हम अक्सर बढ़ी उम्र के लोगों में अवसाद देखते हैं। इससे तनाव बढ़ता है और हाइपरटेंशन होने से, पहले से कमजोर दिल पर और दबाव पड़ जाता है।

वह कहते हैं, सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग ज्यादा चीनी, ट्रांसफैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं, जो मोटापे, दिल के रोगों और हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। इस मौसम में शरीर को गर्मी देने के लिए दिल ज्यादा जोर से काम करने लगता है और रक्त धमनियां और सख्त हो जाती हैं। ये सब चीजें मिलकर हार्ट अटैक की आशंका को बढ़ा देती हैं।

डॉ. सिंह का मानना है कि इस मौसम में उम्रदराज और उन लोगों को, जिन्हें पहले से दिल की समस्याएं हैं, छाती में असहजता, पसीना आना, जबड़े, कंधे, गर्दन और बाजू में दर्द के साथ ही सांस फूलने की समस्या बढ़ जाती है। सर्दियों में ऐसी तकलीफों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

नियमित रूप से व्यायाम और संतुलित व पौष्टिक भोजन लेना, ऐसी समस्याओं की आशंका को काफी कम कर देते हैं।

गर्म दूध में शहद मिलाकर पीने के अनूठे फायदे

गर्म दूध और शहद मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि इसमें हीलिंग का गुण होता है। ये तो हम सभी जानते हैं कि दूध और शहद दोनों ही स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं लेकिन इन दोनों का एकसाथ सेवन करना स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि की तरह काम करता है। एक ओर जहां शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण पाया जाता है। वहीं दूध एक संपूर्ण आहार है। जिसमें विटामिन ए, विटामिन बी और डी की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके अलावा ये कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टडिक एसिड से भी भरपूर होता है।

गर्म दूध में शहद मिलाकर पीने के फायदे:

1. गर्म दूध में शहद मिलाकर पीने से तनाव दूर होता है। ये तंत्रिका कोशिकाओं और तंत्रिका तंत्र को आराम पहुंचाने का काम करता है।

2. बेहतर नींद पाने के लिए भी गर्म दूध में शहद मिलाकर पीना फायदेमंद होता है। सोने से एक घंटे पहले गर्म दूध में शहद मिलाकर पीना फायदेमंद होता है।

3. पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखने के लिए भी गर्म दूध में शहद का सेवन करना फायदेमंद होता है। इससे कब्ज की समस्या नहीं होने पाती है।

4. हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए भी दूध के साथ शहद का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसका सेवन करने से हड्डियों में अगर कोई नुकसान हुआ हो तो उसकी भी भरपाई होती रहती है।

5. दूध और शहद के नियमित सेवन से शारीरिक और मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है। क्षमता बढ़ने का सीधा असर हमारे काम पर पड़ता है। जोकि सकरात्मक होता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद हैं ये सब्जियां

आज के समय में डायबिटीज एक बड़ी समस्या बन चुकी है। दुनिया की एक-तिहाई आबादी इससे पीड़ित है। हालांकि इसे लेकर जागरूकता की भारी कमी है। डायबिटीज का सबसे बुरा असर इंसान के लाइफस्टाइल पर पड़ता है। हालांकि इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है फिर भी परहेज और दूसरे घरेलू उपायों की मदद से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीज के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि वे कुछ चीजों का परहेज करें। कोई भी ऐसी चीज न खाएं जिससे ब्लड में शुगर का लेवल बढ़े। एक ओर जहां डायबिटीज का लेवल कई चीजों के सेवन से बढ़ जाता है वहीं कुछ ऐसी सब्जियां भी हैं जिनके सेवन से डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सकता है।

1. ब्रोकली : ब्रोकली में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। इस लिहाज से ये डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

2. गाजर : डायबिटीज के मरीजों को निश्चति तौर पर गाजर का सेवन करना चाहिए। गाजर में बीटा-कैरोटीन पाया जाता है।

3. बीन्स : डायबिटीज के मरीजों के लिए बीन्स एक अन्य बेहतर विकल्प हैं। ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं।

4. पत्तागोभी : पत्तागोभी विटामिन ए और के का एक प्रमुख स्त्रोत है। ये मैगनीज, फाइबर और विटामिन बी 6 का खजाना है।

पीरियड्स के दौरान कहीं आपको भी तो नहीं होती ये परेशानी

पीरियड्स के दौरान बहुत अधिक ब्लीडिंग होने से कमजोरी हो जाती है। इस स्थिति को चिकित्सा जगत में menorrhagia नाम से जाना जाता है। हर महिला की पीरियड साइकिल दूसरे से अलग होती है। कुछ की साइकिल पांच दिन की होती है तो कुछ में ये साइकिल सात दिन की भी हो सकती है।

कई महिलाओं को इस दौरान बहुत अधिक दर्द सहना पड़ता है तो कुछ के लिए ये सामान्य होता है। कुछ लोगों में ब्लीडिंग क्लॉट्स के रूप में होती है। ये स्थिति काफी दर्दनाक होती है। बहुत अधिक ब्लीडिंग होने के कई कारण हो सकते है। अगर आपका वजन बहुत अधिक है या फिर अगर आप कुछ ऐसी दवाइयां लेती हैं जिनसे खून पतला होता है तो हेवी ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है। इसके अलावा अगर घर में ऐसा रिकॉर्ड रह चुका है तो ये अनुवांशिक भी हो सकता है।

इसके अलावा हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ने पर, यूट्रस में ट्यूमर होने पर भी ब्लीडिंग अधिक होती है। कुछ मेडिकल कंडिशन्स भी होती है जिनमें पीरियड्स के दौरान ब्लीडिंग अधिक होती है। ज्यादा ब्लीडिंग होने से पूरी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो जाती है। मानसिक और समाजिक तौर पर भी महिला को काफी अजीब सी परिस्थिति का सामना करना पड़ता है। कई बार स्थिति इतनी बुरी हो जाती

है कि महिला को एनीमिया की शिकायत हो जाती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए इसके अलावा ये उपाय भी फायदेमंद रहते हैं:

1. अगर आपको पीरियड्स के दौरान बहुत अधिक ब्लीडिंग की शिकायत है तो आप अपने साथ एक ठंडा बैग रखें। इससे ब्लीडिंग में कमी आएगी। साथ ही दर्द में भी राहत का एहसास होगा। एक तौलिए में बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर उसे अच्छी तरह बांध लीजिए। इस पोटली को 15 से 20 मिनट तक पेट पर रखें। इससे आराम होगा।

2. बहुत अधिक ब्लीडिंग होने पर आप सिरके का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये शरीर की सारी गंदगी को बाहर कर देता है। साथ हॉर्मोन्स को व्यवस्थित करने का भी काम करता है। एक गिलस पानी में दो से तीन चम्मच सिरका मिलाकर पीने से फायदा होगा।

सर्दियों में इन इन चीजों को खाने से गर्म बना रहेगा आपका शरीर

1. हरी मिर्च : क्या आपने कभी हरी मिर्च चखी है? हरी मिर्च खाने से गर्मी आती है. इसका तीखापन शरीर का तापमान बढ़ाने का काम करता है. ऐसे में सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए हरी मिर्च का इस्तेमाल किया जा सकता है.

2. प्याज : प्याज खाने के बाद शरीर का तापमान बढ़ जाता है और ये पसीना लाने में भी कारगर है. प्याज का इस्तेमाल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को भी दूर रखने में मददगार होता है.

3. अदरक वाली चाय : अपने आपको गर्म रखने का इससे बेहतर और सस्ता उपाय शायद ही कोई हो. अदरक वाली चाय पीने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है.

हाथ की मुख्य रेखाएं

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली की रेखाओं का विशेष महत्व है। इसमे सम्मलित लक्षण जैसे क्रास, सितारे, वर्गों और अर्धचन्द्राकार का अध्ययन हथेली द्वारा किया जाता है। यह रेखाएं व्यक्ति का भविष्य, शुभ संकेत और अशुभ संकेत दर्शाती हैं। इन संकेतो का निर्माण व्यक्ति के विचार और कर्मों पर भी निर्भर होता है। यह रेखाएं अपने नाम के अनुसार परिणाम देती हैं। हस्तरेखाविद् द्वारा हस्तरेखाएं जो विश्व भर मे प्रचलित है उनका विवरण नीचे किया जा रहा है।

मस्तिष्क रेखा : मस्तिष्क रेखा का आरंभ तर्जनी उंगली के नीचे से होता हुआ हथेली के दूसरे तरफ जाता है जब तक उसका अंत न हो। ज्यादातर, यह रेखा जीवन रेखा के आरंभिक बिन्दु को स्पर्श करती है। यह रेखा व्यक्ति के मानसिक स्तर और बुद्धि के विश्लेषण को, सीखने की विशिष्ट विधा, संचार शैली और विभिन्न क्षेत्रों के विषय मे जानने की इच्छा को दर्शाती है।

हृदय रेखा : हृदय रेखा का उद्गम कनिष्ठा उंगली के नीचे से हथेली को पार करता हुआ तर्जनी उंगली के नीचे समाप्त होता है। यह हथेली के उपरी हिस्से में उंगलियों के ठीक नीचे होती है। यह हृदय के प्राकृतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर को दर्शाती है। यह रोमांस कि भावनाओं, मनोवैज्ञानिक सहनशक्ति, भावनात्मक स्थिरता और अवसाद की संभावनाओं का विश्लेषण करने के साथ ही साथ हृदय संबंधित विभिन्न पहलुओं की भी व्याख्या करती है।

जीवन रेखा : जीवन रेखा अंगूठे के आधार से निकलती हुई, हथेली को पार करते हुए वृत्त के आकार मे कलाई के पास समाप्त होती है। यह सबसे विवादास्पद रेखा है। यह रेखा शारीरिक शक्ति और जोश के साथ शरीर के महत्वपूर्ण अंगों की भी व्याख्या करती है। शारीरिक सुदृढ़ता और महत्वपूर्ण अंगों के साथ समन्वय, रोग प्रतिरोधक क्षमता और स्वास्थ्य का विश्लेषण करती है।

भाग्य रेखा : भाग्य रेखा कलाई से आरंभ होती हुई चंद्र पर्वत से होतें हुये जीवन रेखा या मस्तिष्क या हृदय रेखा तक जाती है। यह रेखा उन तथ्यों को भी दर्शाती जो व्यक्ति के नियंत्रण के बाहर हैं, जैसे शिक्षा संबंधित निर्णय, कैरियर विकल्प, जीवन साथी का चुनाव और जीवन मे सफलता एवं विफलता आदि।

सूर्य रेखा : सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है। यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है।

स्वास्थ्य रेखा : स्वास्थ्य रेखा को बुध रेखा के रूप में भी जाना जाता है । यह कनिष्ठा के नीचे बुध पर्वत से आरंभ हो कर कलाई तक जाती है। इस रेखा द्वारा लाइलाज बीमारी को जाना जा सकता है। इसके द्वारा व्यक्ति के सामान्य स्वास्थ्य की भी जानकारी मिलती है।

यात्रा रेखाएँ : ये क्षैतिज रेखाएं कलाई और हृदय रेखा के बीच हथेली के विस्तार पर स्थित है। यह रेखाएं व्यक्ति की यात्रा की अवधि की व्याख्या, यात्रा में बाधाओं और सफलता का सामना तथा यात्रा मे व्यक्ति के स्वास्थ्य की दशा को भी दर्शाती है।

विवाह रेखा : क्षैतिज रेखाएं कनिष्ठा के बिल्कुल नीचे और हृदय रेखा के ऊपर स्थित विवाह रेखाएं कहलाती है। यह रेखाएं रिश्तों में आत्मीयता, वैवाहिक जीवन में खुशी, वैवाहिक दंपती के बीच प्रेम और स्नेह के अस्तित्व को दर्शाता है। विवाह रेखा का विश्लेषण करते समय शुक्र पर्वत और हृदय रेखा को भी ध्यान मे रखना चाहिये।

करधनी रेखाएं : करधनी रेखा का आरंभ अर्धवृत्त आकार में कनिष्ठा और अनामिका उंगली के मध्य में और अंत मध्यमा उंगली और तर्जनी पर होता है। इसे गर्डल रेखा या शुक्र का गर्डल भी कहते हैं। यह व्यक्ति को अति संवेदनशील और उग्र बनाती है। जिन व्यक्तियों मे गर्डल या शुक्र रेखा पाई जाती है वह व्यक्ति की दोहरी मानसिकता को दर्शाता है।

सिमीयन रेखा : जो रेखा हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा को गठित करती है। सिमीयन रेखा, सिमीयन फोल्ड, सिमीयन क्रीज और ट्रांस्वर्स पाल्मर क्रीज् के रुप में भी जानी जाती है। यह एक दुर्लभ रेखा है, मस्तिष्क और हृदय के संयोजन का प्रतिनिधित्व करती है। यह सिमीयन रेखा व्यक्ति मे मानसिक धैर्य और संवेदनशीलता को दर्शाती है।

राहु-केतु की दशा शांति के लिए आजमाएं ये उपाय

भारतीय ज्योतिष में राहु और केतु को सूर्य एवं चंद्र की परिक्रमा करने वाले और आपस में काटने वाले दो बिन्दुओं के रूप में प्रदर्शित किया गया है। राहु और केतु से संबंधित कई पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हुई हैं। ये ग्रह कोई खगोलीय पिंड नहीं हैं, इन्हें छाया ग्रह कहा जाता है।

लेकिन ये किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में बैठ जाएं तो उस व्यक्ति के जीवन काफी हद तक प्रभावित भी कर सकते हैं। इसलिए ज्योतिष में इनकी शांति के लिए कई तरह के उपायों का वर्णन किया गया है।

राहु शांति के उपाय : सरसों का तेल, सरसों काले तिल, सीसा, नीले पुष्प, लोहे का कोई शस्त्र, कंबल आदि वस्तुएं नीले वस्त्र में बांधकर दान देने से राहुकृत पीड़ा का निवारण होता है।

रविवार की शाम चांदी की गोली जेब में रखने से रोगा आदि से मुक्ति मिलती है। इससे लड़ाई-झगड़े भी दूर हो जाते हैं। काले श्वान को घर में पालने से राहु के उपद्रव दूर हो जाते हैं।

कस्तूरी, तारपीन, लोबान तथा नागरमोथा के मिश्रित जल से स्नान करने से भी राहु के दुष्प्रभाव से मुक्ति मिलती है।

केतु शांति के उपाय : अमावस्या या फिर किसी मंगलवार को पाव भर बाजरे में थोड़ा सा गुड़ मिलाकर इसे किसी लाल रंग के श्वान को खिलाएं। यह उदर रोगों में लाभकारी है।

जानिए क्या सचमुच में होता है काला जादू? यदि हां तो ऐसे बचें

अमूमन हम सभी ने तंत्र, मंत्र, जादू, टोना-टोटका और ऐसी कई बातों के बारे में काफी कुछ सुना है। विज्ञान इन्हें भले ही न मानें लेकिन हिंदू धर्म के चार वेदों में से एक अथर्ववेद में इन बातों का विस्तार से उल्लेख है। अथर्ववेद में बताया गया है कि इन्हें कैसे करें, किसलिए करें, आदि। इन सभी तंत्र, जादू, टोना टोटके के लिए कई दिव्य मंत्र यहां बताए गए हैं। दरअसल अथर्ववेद सिर्फ सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जाओं के इस्तेमाल को समर्पित है।

इन्होंने की तंत्र शास्त्र की रचना : भगवान शिव भी तंत्र पूजा करते थे। यह बात शिव महापुराण में उल्लेखित है। भगवान भोलेनाथ तंत्र साधना से सकारात्मक शक्तियों का निर्माण जीव कल्याण के लिए करते थे। तंत्र बहुत ज्यादा प्रभावशील और संवेदनशील होते हैं। यदि इन्हें सही तरह से सिद्ध किया जाए, तो यह काफी सकारात्मक परिणाम प्रस्तुत करते हैं। तंत्र अध्यात्म का ही भाग हैं। भगवान शिव ने ही तंत्र शास्त्र का निर्माण किया है। तंत्र शास्त्र हिंदू धर्म का मुख्य भाग है। दरअसल तंत्र शास्त्र का उपयोग अलौकिक शक्तियों को नियंत्रित करने में किया जाता है। काला जादू तंत्र से बिल्कुल विपरीत होता है।

ये है काला जादू : काला जादू नकारात्मक शक्ति है। जो मानव शरीर में मौजूद आत्मा और मस्तिष्क को खराब कर देती है। अध्यात्म में इसे अतिरिक्त ऊर्जा बताया गया है।

नकारात्मक ऊर्जा से ऐसे बचें : द्वापर युग यानी महाभारत में ऊर्जा के बारे में रोचक प्रसंग मिलता है। एक बार अर्जुन ने श्रीकृष्ण से सवाल पूछा था, आपका यह कहना है कि हर चीज एक ही ऊर्जा से बनी है और हरेक चीज दैवीय है, अगर वही देवत्व दुर्योधन में भी है, तो वह ऐसे नकारात्मक काम क्यों कर रहा है? कृष्ण थोड़ा हंसे फिर रुके और उन्होंने कहा, ईश्वर निर्गुण है, दिव्यता निर्गुण है। उसका अपना कोई गुण नहीं है।

घर की नींव रखने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

घर के किसी भी भाग को जब तोड़ते हैं और फिर उसे दुबारा बनाने से वास्तु दोष भंग दोष लगता है। इसकी शांति के लिए वास्तु देवता की पूजा की जाती है। इसके अलावा यदि आप फ्लैट में रहते हैं तो घर में कलह, धन हानि और रोगों के कारण आपकी जिदंगी दु:खमय भी हो सकती है। ऐसे में किसी वास्तुविशेषज्ञ या ज्योतिषाचार्य से नवग्रह शांति और वास्तुदेव का पूजा करवाना अनिवार्य हो जाता है। वास्तु प्राप्ति के लिए अनुष्ठान, भूमि पूजन, नींव खनन, कुआं खनन, शिलान्यास, द्वार स्थापना व गृह प्रवेश आदि अवसरों पर वास्तु देव की पूजा का विधान है।

ध्यान रखें यह पूजन किसी शुभ दिन या फिर रवि पुष्य योग को ही कराना चाहिए। वास्तु देव पूजन के लिए आवश्यक सामग्री रोली, मोली, पान के पत्ते, लौंग, इलाइची, साबुत, सुपारी, जौ, कपूर, चावल, आटा, काले तिल, पीली सरसों, धूप, हवन सामग्री, पंचमेवा(काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश, अखरोट), गाय का शुद्ध घी, जल के लिए तांबे का पात्र, नारियल, सफेद वस्त्र, लाल वस्त्र, लकड़ी के 2 पटरे, फूल, दीपक, आम के पत्ते, आम की लकड़ी, पंचामृत(गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर) आदि। यदि घर की नींव रखना हो तो... जल के लिए तांबे का पात्र, चावल, हल्दी, सरसों, चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा, अष्टधातु कश्यप, 5 कौड़ियां, 5 सुपारी, सिंदूर, नारियल, लाल वस्त्र, घास, रेजगारी, बताशे, पंच रत्न, पांच नई ईंटें आदि। इसके बाद किसी विद्वान से पूजन करवाएं।

कुछ उपाए से नहीं आएगी अरैंज मैरिज में रुकावट

यदि अरेंज मैरिज में अपनी पसंद की लड़की या लड़का मिल जाए तो वैवाहिक जिदंगी खुशनुमा तरीके से बीत सकती है। लेकिन कई ऐसे कारण होते हैं जब आपकी पसंद का व्यक्ति नहीं मिल पाता ऐसे में कई कारण होते हैं जिनमें से एक होता है वास्तु दोष। यह वास्तु दोष आपके घर के आस-पास या फिर शयन कक्ष में भी हो सकता है। ऐसे में आप कुछ वास्तु टिप्स आजमाकर इन वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं और योग्य व्यक्ति की चाह में कई कदम आगे बढ़ सकते हैं। जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वह कभी-कभी शुभ या अशुभ भी माना जाता है। ऐसी स्थिति से बचना चाहिए।

मैंने मोदी जी से कहा, भारत-पाक क्रिकेट होना चाहिए वे हंस दिये, मैं समझ नहीं पाया यह हां है या नाः इमरान खान

नयी दिल्ली। भारत-पाक क्रिकेट संबंधों के हाशिये पर जाने के बीच पाकिस्तान के क्रिकेट से राजनेता बने इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि क्रिकेट खेलना बंद कर देना आतंकवाद को जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उठाया है और उन्हें सकारात्मक नतीजे की उम्मीद है। मोदी के साथ बैठक पर इमरान ने कहा, मैंने मोदी से कहा कि क्रिकेट होना चाहिए। मोदीजी इस सवाल पर हंस गए और मैं समझ नहीं पाया कि यह हां है या ना। लेकिन मैं सकारात्मक व्यक्ति हूं और इसे सकारात्मक रूप से लूंगा। सीमापार से आतंकवाद के बीच क्रिकेट खेलने के संदर्भ में पूछे गए सवाल के जवाब में इमरान ने कहा, क्रिकेट खेलना रोक देना आतंकवाद को जवाब नहीं है। कुछ बीमार लोगों के कारण आप पूरे समाज का बहिष्कार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, मैंने एक बार दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध का समर्थन किया था लेकिन यह रंगभेद पर उनके रूख के कारण था और यह मानवाधिकार का उल्लंघन था। लेकिन इसके अलावा मुझे लगता है कि खेल जारी रहना चाहिए। यह जीवनभर के रिश्तों की बात है। संबंध बनाने के लिए लोगों का लोगों से संपर्क जरूरी है। सचिन तेंदुलकर को पाकिस्तान में लोग प्यार करते हैं जैसे भारत में वसीम अकरम को करते हैं। इमरान ने कहा, हम बंटवारे की पहली पीढ़ी हैं इसलिए हमने काफी नफरत भरी कहानियां सुनी हैं। और हमारे जैसे लोग दोनों देशों में हैं। लेकिन जब मैंने क्रिकेटर के रूप में भारत का दौरा किया तो मैंने महसूस किया कि हम समान लोग हैं जो एक जैसे गीत सुनते हैं और जिनकी पसंद एक जैसी है। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान में एकमत है। इसलिए हमें दूरी पाटने की कोशिश करनी चाहिए दूरी पैदा करने की नहीं। इस बीच 1983 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे कपिल देव ने भारत-पाक क्रिकेट पर सतर्क जवाब दिया।

BWF वर्ल्ड सुपर सीरीज के फाइनल्स में साइना पराजय

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल सुपर सीरीज फाइनल्स में सेमीफ़ाइनल की उम्मीद से बाहर हो गई हैं। उपस्थित चैंपियन चायनीज ताइपे की ताइ जू यिंग ने उन्हें तीन गेम के संघर्ष में 16-21, 21-18, 21-14 से करारी शिकस्त दी। साइना अपना प्रथम मुक़ाबला जापान की नोज़ोमी ओकुहारा से 21-14, 21-6 से पराजय रही, लेकिन दूसरी टक्कर में उन्होंने बेहतरीन वापसी की और दूसरी वरीयता प्राप्त साइना ने मारिन को 23-21, 9-21, 21-12 के संघर्ष में परास्त किया। यिंग के विरुद्ध साइना की शुरुआत शानदार हुई।

आक्रामक विराट कोहली अब बनना चाहते हैं कैप्टन कूल

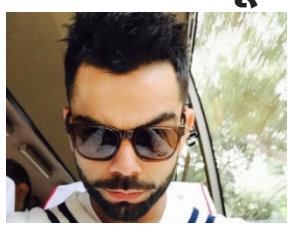

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक सीरीज जीत दिलाने वाले टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह महेंद्र सिंह धौनी की तरह कैप्टन कूल बनना चाहते हैं। विराट ने शुक्रवार को धौनी की तारीफ करते हुए कहा, मैं धौनी की तरह शांत और नियंत्रित बनना चाहता हूं ताकि मुश्किल हालात में भी बिना घबराए स्थिति को संभाल सकूं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 3-0 से टेस्ट सीरीज जिताने वाले विराट ने साथ ही माना कि धौनी ने अपने करियर में लगभग सभी उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। धौनी की तरह शांत बनना चाहता हूं : भारत की मेजबानी में अगले साल वर्ल्ड कप टी-20 कार्यक्रम की घोषणा के दौरान टेस्ट कप्तान ने कहा, मैं धौनी की तरह शांत बनना चाहता हूं। इसके साथ ही कठिन परिस्थितियों में वह जैसे सबकुछ संभालते हैं वह भी मैं उनसे सीखना चाहता हूं। वर्ष 2007 में वर्ल्ड टी-20 से धौनी एक कप्तान के तौर पर उभरे थे। जिस तरह से उन्होंने रोहित शर्मा, श्रीसंत जैसे युवा खिलाड़ियों को तैयार किया वह प्रशंसनीय है।

विराट ने कहा, भारत को पहली बार वर्ल्डकप टी-20 खिताब दिलाने पर वह भारत में एक कप्तान के तौर पर उभरे थे। धौनी ने बतौर कप्तान सबकुछ हासिल किया है। उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को नंबर एक टेस्ट टीम, नंबर एक वनडे और टी-20 टीम बनाया। अब उन्हें करियर में और कुछ हासिल करने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें काफी समय से देख रहा हूं और पसंद करता हूं। उन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है।

वरदान (वौलन्ट्री एसोसिएशन फॉर रूरल डेवलपमेंट & एक्शन नेटवर्किंग), भोपाल. द्वारा जनहित मे जारी

Ayush Samadhaan
Simpler way to reach your doctor

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE
www.ayushsamadhaan.com

RAJPAL'S
GREENWOODS

MARRIAGE GARDEN
AVAILABLE FOR ALL TYPES OF PARTY
FOR BOOKINGS CONTACT:
न्यूमार्केट से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर जूडीशयल एकेडमी के पास सभी सरकारी मान्यता प्राप्त व सर्वसुविधा युक्त, मो. 98260-51505

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, E-mail: parag073@gmail.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)